HANDOUT

पाठ – 2 राम–लक्ष्मण-परशुराम संवाद (कवि – तुलसीदास)

MODULE – 3

1. परशुराम ने कटुवादी बालक (लक्ष्मण) को मृत्यु के योग्य बताया है।

2. विश्वामित्र परशुराम जी को समझाते हुए कहते हैं कि साधु बालकों के गुण और दोषों को नहीं गिनते क्योंकि बालकों को लौकिक जीवन का उतना अनुभव नहीं होता जितना एक सामान्य मनुष्य को होता है।

3. विश्वामित्र ने मन ही मन में कहा – सर्वत्र विजय प्राप्त करने के कारण मुनि को हरा ही हरा सूझ रहा है। अर्थात ये इन्हें साधारण क्षत्रिय समझ रहे हैं।

4. परशुराम जी लक्ष्मण को गुरुद्रोही और अपराधी बतातें है।

5. काव्यांशों में लक्ष्मण के उग्र स्वभाव , परशुराम जी का रौद्र रूप और राम के गंभीर स्वरूप को चित्रित किया गया है।